जागरूकता 1856 किलोमीटर लंबा पूर्वी कोरीडोर पंजाब के लुधियाना से पश्चिम बंगाल के डानकुनि के बीच बनाया जा रहा है

डीएफसीसीआईएल में मनाया गया सतर्कता जागरुकता सप्ताह

वैभव न्यूज ■ नई दिल्ली

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) ने कॉर्पोरेट एवं क्षेत्रीय कार्यालयों में दिनांक 30.10.2017 से 04.11.2017 तक सतर्कता जागरुकता सप्ताह-2017 का आयोजन किया। इसकी शुरुआत सभी कार्यालयों में शपथ ग्रहण समारोह के साथ हुई। कॉर्पोरेट कार्यालय में डी. एस. राणा, निदेशक/अवसंरचना ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। इस अवसर पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें निबंध लेखन प्रतियोगिता, सतर्कता के मामलों पर समूह चर्चा, शैलेंद्र सिंह, मुख्य तकनीकी परीक्षक/केंद्रीय सतर्कता आयोग, सुरजेंदु शंकर दास, सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता द्वारा 'आर्बिट्रेशन' पर व्याख्यान एवं डीएफसी सतर्कता नियमावली का विमोचन शामिल है। डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) रेल मंत्रालय के अधीन स्थापित एक विशेष प्रयोजन संस्था है, जो ऐसे कोरीडोरों का निर्माण कर रही है, जिन पर केवल माल गाड़ियों का संचालन होगा। डीएफसीसीआईएल पहले चरण में पूर्वी और पश्चिमी कोरीडोरों के नियोजन, निर्माण, परिचालन और रख-रखाव का कार्य कर रहा है। 1856 किलोमीटर लंबा पूर्वी कोरीडोर पंजाब के लुधियाना से पश्चिम बंगाल के डानकुनि के बीच बनाया जा रहा है। वहीं उत्तर प्रदेश के दादरी से मुंबई स्थित जवाहर लाल नेहरू पोर्ट के बीच बन रहे पश्चिमी कोरीडोर की लंबाई 1504 किलोमीटर है। पूर्वी डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर लुधियाना से शुरू होकर कोलकाता के पास डानकुनि पर समाप्त होगा। यह पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल राज्यों से गुज़रेगा। जबकि, पश्चिमी डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर दादरी (उत्तर प्रदेश) से शुरू होकर जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (मुंबई) पर समाप्त होगा। यह कोरीडोर उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र से होकर गुज़रेगा। पश्चिमी कोरीडोर का निर्माण जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी एवं पूर्वी कोरीडोर में लुधियाना से मुग़लसराय सेक्शन का निर्माण विश्व बैंक द्वारा प्रदत्त ऋण से किया जा रहा है।